ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-02-2021

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-02-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-02-03	2021-02-04	2021-02-05	2021-02-06	2021-02-07
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	8.0	8.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	16.0	16.0	14.0	12.0	12.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	4.0	3.0	2.0	0.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	45	50	50
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	45	50	50	50
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	8.0	8.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	100	100	90	350
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	3	6	6	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में, 4 और 5 फरवरी को हल्की वर्षा तथा कहीं-कहीं ओला पड़ने की भी सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 12.0 से 16.0 व 0.0 से 4.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा|

सामान्य सलाहकार:

कोरोना कोविड-19 के गंभीर फैलाव को देखते हुए किसानों को सलाह है कि तैयार फसलों की कटाई तथा अन्य कृषि कार्यो के दौरान भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा निर्देशो जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा, मास्क का उपयोग, साबुन से उचित अन्तराल पर हाथ धोना तथा एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले पांच दिनों में, 4 और 5 फरवरी को हल्की वर्षा तथा कहीं-कहीं ओला पड़ने की भी सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	आगामी दिनो में वर्षा की सम्भावना को देखते हुए अभी सिंचाई स्थगित कर दें।
गन्ना	मैदानी क्षेत्रों में बसंत कालीन नौलख गन्ने की बुवाई हेतु तैयारी शुरू करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आड़ू	गुठलीदार फलों जैसे आड़ू, प्लम आदि में पर्ण कुचलन रोग की रोकथाम के लिए कीटनाशी दवाओं का छिड़काव मौसम को ध्यान में रखकर करें।
सब्जी पीईए	आगामी दिनो में वर्षा की सम्भावना को देखते हुए मटर में अभी कुछ दिनों के लिए सिंचाई स्थगित कर दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें।